

बाईसा अपने भक्तों के द्वार चली है लिरिक्स



कोई रोक सके,
न बाईसा को,
वो जा रही ज्यो चले पवन,
बाईसा अपने भक्तों के,
द्वार चली है,
भक्तों का करने,
उद्धार चली है।bd।

तर्ज - पालकी में होके सवार।

इस जग में आई,
संकट मिटाने,
बाबोसा भगवन की,
महिमा फैलाने,
जिस घर में पड़े इनके चरण,
इनके चरण हों इनके चरण,
उस घर में खुशियाँ,
अपार मिली है,
भक्तों का करने,
उद्धार चली है।bd।

ये हैं ममतामयी,
एक माँ,
बाबोसा की अदभुत,
है शक्ति,
जिनके रग रग में,
है ये भक्ति,
सुना है बाईसा बिना जीवन,
सुन करके ये तो,
पुकार चली है,
भक्तों का करने,
उद्धार चली है।bd।

ये सोना ये चांदी,
ये हीरे ये मोती हो,
बाईसा बिना,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्हें खोजें किसी भी वेबसाइट के। मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



बाईसा बिन जीवन,
बस नाम का,
बस नाम का,
'दिलबर' ये हम भक्तो की,
धड़कन धड़कन,
धड़कन रिया को करने,
वो प्यार चली है,
भक्तो का करने,
उद्धार चली है।bd।

कोई रोक सके,
न बाईसा को,
वो जा रही ज्यो चले पवन,
बाईसा अपने भक्तो के,
द्वार चली है,
भक्तो का करने,
उद्धार चली है।bd।

गायिका – रिया जैन ।
रचनाकार – दिलीप सिंह सिसोदिया 'दिलबर' ।
नागदा जक्शन म.प्र. 9907023365
